>

Title: The Minister of State in the Ministry of Parliamentary Affairs made a statement regarding postponment of Business in the House.

**संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल):** उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात आपके सामने गुजारिश करना चाहता हूं कि कल आपस में फैसले से यह तय हुआ था कि कॉमनवैल्थ गेम्स पर बहस पूरी हो चुकी थी, आज उसका जवाब होगा। पहले लैजिस्लेटिव बिजनैस लिया जायेगा,उसके बाद आगे की जो चर्चा,भोपाल गैस पर है, वह ली जायेगी। आज की लिस्ट ऑफ बिजनैस में थोड़ा अंतर है। इसलिये, मैं आपसे गुज़ारिश करना चाहता हूं कि जैसे कल फैसला हुआ था, उसके मुताबिक आज का काम कर लिया जाये।

**उपाध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्यो, कल आप लोगों ने ही तय किया था कि जो कॉमनवैल्थ गेम्स पर वाद-विवाद पूरा हो चुका है, उस पर मंत्री जी ने कल जवाब नहीं दिया, वह आज जवाब देंगे।

**14.16 hrs.**

*The Lok Sabha re-assembled after Lunch at Sixteen Minutes past Fourteen of the Clock.*

(Shri Arjun Charan Sethi *in the Chair*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Before we begin with any item on the List of Business I have to make one request. As per the List of Business, Discussion under Rule 193 on Bhopal Gas Tragedy was to begin at 2 p.m. In the morning there were discussions amongst various Leaders of different Parties and accordingly I wish to make this submission to you that at this time, leaving the List as such, you may kindly first take this item on the List of Business, that is the reply by the hon. Minister of Youth Affairs and Sports to the debate that took place yesterday. After that we may take up the discussion on the Industrial Disputes (Amendment) Bill. Thereafter, we may take this up for discussion. The Short Duration Discussion on Bhopal Gas Tragedy may be taken up tomorrow morning.

**श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा):** महोदय, हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। हमें इसलिए आपत्ति नहीं है कि अगर सीडब्ल्यूजी का जवाब और इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट के बाद भोपाल गैस त्रासदी ली जाती है तो चर्चा की सारी गंभीरता समाप्त हो जाती है। वह बहुत दुखःदायी प्रकरण है। हम कल यह चाहेंगे कि जैसा आज संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा है, वैसा मान लिया जाये, लेकिन कल प्रश्न काल के तुरन्त बाद भोपाल गैस त्रासदी पर चर्चा शुरू हो जाये। ताकि शाम तक चर्चा समाप्त होकर उसका जवाब आ जाये।

**श्री पवन कुमार बंसल :** महोदय, जो बात मैंने कही है, वह सभी माननीय सदस्यों की तरफ से कही है। सिर्फ एक बात है जो आपको कर लेना चाहिए, मैं समझता हूं कि अगर उसे भी आप यहीं कह दें तो बहुत अच्छा रहेगा।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** जी बताइये।

**श्री पवन कुमार बंसल :** कल मुझे मालूम हुआ है कि शायद बारह बजे एक कालिंग अटैंशन लगा है, उसे परसों के लिए रख लीजिये।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** कल वाला ध्यानाकर्षण परसों के लिए चला जाये। भोपाल गैस त्रासदी कल प्रश्न काल के तुरन्त बाद ले लिया जाये ताकि शाम तक उस पर चर्चा होकर जवाब आ जाये।

**श्री पवन कुमार बंसल :** उसके बाद लैजिस्लेटिव बिजनेस ले लें। उसके लिए चार घंटे का समय तय कर लें।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** उसका जवाब आ जाये और फिर उसके बाद लैजिस्लेटिव बिजनेस ले लें।

**श्री पवन कुमार बंसल :** चार बजे तक वह रहे और उसके बाद फिर एक लैजिस्लेटिव बिजनेस ले लें। बारह बजे से चार बजे तक यह हो जायेगा तो इसके चार घंटे पूरे हो जायेंगे। उसके बाद अगर हम चार बजे से कोई एक लैजिस्लेटिव बिजनेस, कोई एक आइटम कल ले पायें तो ठीक रहेगा।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** यह नया अरेंजमेंट हमें इसलिए मंजूर है क्योंकि कल चर्चा 12 बजे प्रारम्भ हो जायेगी।

**श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी):** महोदय, मैं सहमत हूं।

**श्री पवन कुमार बंसल :** यह आम सहमति से है, यह हमारी तरफ से नहीं है।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** मैं चेयर से कह रही हूं।

MR. CHAIRMAN: That is all right. As the House has agreed, the Bhopal Gas Tragedy will be taken up tomorrow after the Question Hour.